दास्तान ए मोहल्ला

The Kutumb Foundation

Khan Market Goal of Life students visit Qissagadh Active Library to check out books with peer coach Manoj.

Review of Bhoolbhulaiya

किताब का नाम=भूलभुलैया

लेखक=शेक्सपियर

प्रकाशन =राजपाल

मैंने यह किताब इसलिए चुनी क्युकी :- यह किताब शेक्सपियर की अनेक प्रसिद्ध किताबो में से एक है। मैंने शेक्सपियर के बारे में काफी सुना है। तो जब मुझे लाइब्रेरी से एक किताब चुनने का मौका मिला तो मेरे दिमाग में शेक्सपियर की किताब ही थी इसलिए मैंने यह किताब चुनी।

यह किताब :-शेक्सपियर की एक बड़ी मजेदार और दिलचस्प रचना में से एक है। इस किताब का नाम भूलभुलैया है। क्युकी कहानी शुरू होते ही कौन सा पात्र कहा है कुछ समझ में नई आता। इतनी मनोरंजन है की पढ़ते पढ़ते यह जानने की उत्सुकता बढ़ती जाती है की अब आगे क्या होगा।कौन सा पात्र कब खा है किस से मिल रहा है पूरी की पूरी भूलभुलैया है जिससे की कहानी का अंत जानने का मजा दुगुना बढ़ता जाता है।

VERY SHORT STORY

कहानी कुछ इस तरह है की दो जुड़वाँ भाई होते है और उनके दो सेवक होते है वो भी जुड़वाँ होते है। ककहानी के शुरू में ही सरे पात्र बिखर जाते है बिखरने के बाद अलग अलग जीवन वयतीत करते है। इसी सब के बीच में काफी मजेदार कहानी चलती है। अंत होते होते साडी भूलभुलैया सुलझ जाती है।

मेरे ख्याल से यह किताब :-बहुत ही मनोरंजक है। मुझे तो यह किताब बहुत अच्छी लगी। पढ़ते समय तो मुझे लग रहा था कि मैं बी एक हिस्सा हूँ इस कहानी की। क्युकी जब मैं किताब पढ़ रही थी तो कहानी का अंत क्या होगा मेरी उत्सुकता बढ़ती ही जा रही थी। तो सभी को एक बार यह किताब (भूलभुलैया) जरूर पढ़नी चाहिए। फिर आप भी मुझ जैसा ही अनुभव करेंगे और खुस भी होंगे। यह एक अनोखी भूलभूलैया है। शेक्सपियर बहुत ही बड़े लेखक थे और उनकी यह किताब इस बात का प्रमाण है|

Special Ghevra Goal of Life junior batch practice, bright and early this morning

TMGT

मेरी किताब का शीर्षक है जायज़ हत्यारे, ऑथर सुरेश isbhardwaj, दीपा साही|

इस किताब को चुना(नाम काफी अजीब था नाम की वजहें से) इस किताब के बारे में है(ये कहानी कुछ कर्न्तिकरियो की कहानी है जो एक गवर्नर को बम से मरने का प्लान बनते है और ये काम विमी नाम के एक लड़के को दिया जाता है मगर वो बम नही फेक पाता क्यूंकि गवर्नर के साथ उसके बच्चे होते है और वो वहां से भाग जाता है जब वो अपने साथियो से मिलता है तो वो अपने साथियो को बताता है की मने बच्चो की वजहें से बम नही फेक पाया मगर वो दुबारा जाता है और जब गवर्नर अकेला होता है उस पर बम फेक देता है और गवर्नर मर जाता है और वो अपने आप को पुलिस के हवाले कर के जेल चला जाता है वंहा एक जेलर होता है और वो विमी की बोलता है की अपने सरे साथियो का पता बता दे हम तुझे छोड़ देंगे पर वो मना कर देता है उस समय वंहा गवर्नर की पत्नी विमी से मिलने अति है और रोती है और चली जाती है जेलर कहता है की अब ये खबर पेपर मैं छपवा दी जये गई की तू गवर्नर की पत्नी से मिलने के बाद रेहम की भिक मागि है और तेरे सरे दोस्त तुझे विश्वास घाती कायर समझे गे और विमी केहता की मेरे सरे दोस्तों को यकीन नही होगा तुम्हारी बात का ये सुन के जेलर वंहा से चला जाता है एक तरफ उसके साथियो को ये खबर मिलती है तो कुछ यकीन करते है और कुछ नही तभी उन लोगो को पता चलता है की विमी ने रहम की भिक नही मागि थी और अपने लिए मोत चाहता था जो उसे मिल गयी आज सुबह उसे दो बजे फसी दे दी गयी है ये सुन के उसके सरे दोस्त रो पड़ते है)

मैं इस किताब के बारे में क्या सोचते हैं(इस किताब के ओरिजनल रिटर काम नही है और ये कहानी मुझे अछि लगी